ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-१८
दिनांक- शुक्रवार, ०३ मार्च, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.0 एवं 14.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 98 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 49 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 18.3 एवं दोपहर में 35.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(04–08 मार्च, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 04–08 मार्च, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 34 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 14 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 5–8 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पूवानुमानित अवधि में मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए सरसों की तैयार फसल की कटनी, दौनी एवं सुखाने के कार्य को उच्च प्राथमिकता देकर समपन्न करें। तैयार आलू की खुदाई कर उचित स्थान पर भंडारित करे। क्योंकि जमीन का तापमान 32–33 डिग्री सेल्सियस के आसपास हो गया है। रवी मक्का की धनबाल व मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी बनाए रखें। बढ़ते तापमान को देखते हुए खड़ी फसलों में आवष्यकतानुसार सिंचाई करें।
- बसंतकालीन मक्का की बुआई करें। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर 15–20 टन गोबर की खाद, 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटाश का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा 11, शक्तिमान 1 एवं 2 किस्में अनुशंसित है। बीज दर 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें। रवी मक्का की धनबाल व मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी बनाए रखें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बुआई से पूर्व खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30–35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। कृषक भाई बुआई पूर्व बीज का प्रबंध प्रमाणित स्त्रोत से सुनिश्चित कर लें।
- सुर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। इसकी बुआई 10 मार्च तक संपन्न कर लें। खेत की जुताई में 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30–40 किलोग्राम नेत्रजन, 80–90 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी0ओ0–1 एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–44, एम0एस0एफ0एच0–1, एम0एस0एफ0एच0–8 एवं एम0एस0एफ0एच0–17 अनुसंषित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- बसंत ईख रोप के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। ईख रोप हेतु दोमट मिट्टी तथा ऊँची जमीन का चुनाव कर गहरी जुताई करनी चाहिए। अनुशंसित प्रभेदो का चुनाव कर बीज मेड़ो की कवकनाशी (कार्बेडाजीम) 1 ग्रा0 प्रति लीटर के घोल में 15–20 मिनट उपचारित कर रोपनी करनी चाहिए। प्रभेदो के बीज रोग–व्याधि से मुक्त होना चाहिए एवं रोग मुक्त खेतों से लेना चाहिए और जहाँ तक संभव हो 8–10 महीने के फसल को ही बीज के रुप में प्रयोग करना चाहिए।
- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई करें। 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20–30 किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। सब्जियों में निकाई–गुड़ाई एवं उपयुक्त वर्षा न होने की स्थिति में सिंचाई करें।
- पशुपालक भाई चारा के लिए मकई और बाजरे की बुआई करे। चारे की लगी हुई फसलें जैसे–जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई 25–30 दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में 10 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेशन करें।
- ठण्ड का मौसम समाप्त होने से गायों एवं बछियों की गर्मी (मद) में आने का समय है। उनके सफल गर्भाधान के लिए पर्याप्त हरा चारा सहित संतुलित आहार एवं ५० ग्राम मिनिरल मिक्सचर प्रतिदिन दें। खुरपका– मुहपका रोग का टीका लगवाएं। जिन पशुओं को जुलाई – अगस्त में टीका लगा है उन्हें भी पुनः टीका लगवाएं। टीका लगवाने से पूर्व अतः एवं बाह्य परजीवी नाशक दवा अवश्य पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः 31.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 14.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)